

अधिवक्ता अहमदाबाद जिल्ला अदालत अहमदाबाद

अहमदाबाद जिल्ला अदालत अहमदाबाद

2/0/2019

212 RT Act

3/2/19

प्रार्थी द्वारा जसिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान कांस्टाबरी अधिनियम का पेश किया जिसे दर्ज रजिस्टर किया गया ।

प्रार्थी अधिवक्ता की एकतरफा बहस सुनी गयी । प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा बहस में कहा कि प्रार्थी व अप्रार्थीगण सख्या 01 से 05 की संयुक्त खातेदारी व कब्जा कांस्टा सुदा भूमि तहसील बागिणी के राजस्व ग्रन नादा पटवार हल्का बंदू के खेत खसरा सख्या 96/7 रकबा 120 बीघा 12 बिस्वा भूमि आयी हुई है की भूमि है जिसका राजस्व रेकॉर्ड नक्शा टेस में विभाजन किया हुआ नहीं है तथा न ही राजस्व रेकॉर्ड जमाबन्दी में अलग अलग हिस्से दर्ज किये हुए हैं लेकिन सवजूद इसके अप्रार्थीगण वादग्रस्त भूमि में अपनी मनमर्जी से हिस्सा दर्शाकर प्रार्थीगण की खातेदारी व कब्जा कांस्टा सुदा भूमि के पडौस दर्शाकर बेचान करने तथा प्रार्थीगण को बेदखल करने हेतु आमदा है व वादग्रस्त भूमि की अच्छी व कीमती भूमि पर जबरन कब्जा करने हेतु आमदा है। अप्रार्थीगण मजबूत व राजनीति पहुंच के व्यक्ति है इसलिए बाहुबल के आधार पर प्रार्थीगण को बेदखल कर बेचान करने हेतु आमदा है यदि अप्रार्थीगण ने प्रार्थीगण की कब्जा कांस्टा सुदा भूमि का बिना विभाजन करवाये बेचान कर दिया तथा प्रार्थीगण को बेदखल कर दिया तो प्रार्थीगण को अपूर्णिय क्षति होगी जिसकी पूर्ति समयों पैसों में किया जाना असम्भव होगा । वादग्रस्त भूमि प्रार्थी व अप्रार्थीगण की संयुक्त खातेदारी व कब्जा कांस्टा सुदा भूमि होने से प्रथम दृष्टया सुदृढ मामला प्रार्थीगण के पक्ष में बनता है।

अधिवक्ता प्रार्थीगण की बहस सुनी गयी व पत्रावली का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया अवलोकन से पाया गया कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थीगण व अप्रार्थीगण की संयुक्त खातेदारी की भूमि है जिसका राजस्व रेकॉर्ड नक्शा टेस में कोई विभाजन किया हुआ नहीं है तथा न ही राजस्व रेकॉर्ड जमाबन्दी में अलग से हिस्से ही दर्ज है इसलिए दौराने वाद वादग्रस्त आराजी को खुद



अधिवक्ता अहमदाबाद जिल्ला अदालत अहमदाबाद

